दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 19 अप्रैल 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 198

महत्वपूर्ण एवं खास

अर्जुन रामपाल और नील नितिन मुकेश कोरोना पॉजिटिव

मुंबई (आरएनएस)। अभिनेता अर्जुन रामपाल और नील नितिन मुकेश कोविड-19 से पीड़ित पाए गए हैं और घर पर पृथक-वास में हैं। रामपाल और मुकेश ने अपने-अपने सोशल मीडिया पेज पर प्रशंसकों को यह जानकारी दी। रामपाल (48) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि उनमें संक्रमण के लक्षण नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं सभी आवश्यक नियमों का पालन कर रहा हूं। जो लोग बीते दस दिन में मेरे संपर्क में आए, वे अपना खयाल रखें और आवश्यक एहतियातों का पालन करें।'' उन्होंने लिखा, ''यह वक्त हमारे लिए बहुत डराने वाला है, यदि हम कुछ समय के लिए सतर्क रहें और सावधानी बरतें तो इससे दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे। हम एकजुट होकर कोरोना से लड़ सकते हैं और लड़ेंगे।'' मुकेश (39) ने बताया कि सभी आवश्यक एहतियात बरतने के बावजूद वह और उनके परिजन संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने लिखा, ''हम सभी घर पर पृथक-वास में हैं, आवश्यक नियमों का पालन कर रहे हैं और चिकित्सकों द्वारा बताई दवाएं ले रहे हैं।'' उल्लेखनीय है कि मुंबई में शनिवार को कोरोना वायरस के 8,811 नए मामले सामने आए तथा 51 संक्रमितों की मौत हुई। यहां संक्रमण के कुल मामले 5,71,018 पर पहुंच गए एवं मरने वालों की संख्या 12,301 हो गई।

भारतीय रेल कोविड महामारी से लड़ाई में पूरी क्षमता के साथ लगी हुई है: रेल मंत्री पीयूष गोयल

नईदिल्ली (आरएनएस)। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारतीय रेल कोविड महामारी से लड़ाई में पूरी क्षमता के साथ लगी हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नंदुरबार में आइसोलेशन कोच में कोविड मरीजों की भर्ती शुरू हो गई है। रेल मंत्री ने कहा कि इस समय भारतीय रेल के 16 जोन में चार हजार से अधिक कोविड कोच उपलब्ध है और राज्य सरकारों के अनुरोध पर उपलब्ध करा दी जाएगी। पिछले वर्ष मार्च, अप्रैल, मई और जून में भारतीय रेल के कोचों को कोविड देखभाल कोच में परिवर्तित किया गया था।

कुंभ से लौटने पर दिल्ली वासियों को 14 दिन का क्वारेंनटीन जरूरी, डीडीएमए ने जारी किया आदेश

नईदिल्ली,18 अप्रैल (आरएनएस)। हरिद्वार के कुंभ मेले में जाने वाले या जाने की योजना बना रहे दिल्ली के निवासियों को वहां से लौटने पर 14 दिन तक घर पर अनिवार्य क्वारेंटाइन में रहना होगा। उन्हें स्वयं से संबंधित जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डालनी होगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने एक आदेश में यह कहा। कोरोना वायरस संक्रमण के बेतहाशा बढ़ते मामलों के बीच हरिद्वार में चल रहे कुंभ मेले को लेकर कई विवाद खड़े हो गए हैं और आशंका जताई जा रही है कि यह संक्रमण का केंद्र बन सकता है। अनिवार्य क्वारेंटाइन संबंधी आदेश शनिवार को जारी किया गया। इसमें कहा गया कि 4 अप्रैल के बाद से कुंभ मेले में गए लोग या वे लोग जो 30 अप्रैल तक चलने वाले मेले में जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पहचान पत्र, कुंभ मेले में जाने की तारीख और दिल्ली वापसी की तारीख दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर डालनी होगी। डीडीएमए की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य सचिव विजय देव की ओर से जारी आदेश में कहा गया, 'दिल्ली के वे सभी निवासी जो हरिद्वार में कुंभ 2021 में जा चुके हैं या जाने का विचार कर रहे हैं उन्हें दिल्ली लौटने पर घर पर 14 दिन तक अनिवार्य क्वारेंटाइन में रहना होगा। आदेश में कहा गया कि कुंभ से लौटने वाला व्यक्ति यदि दिल्ली सरकार के पोर्टल पर अपनी जानकारी नहीं देगा तो संबंधित जिला मेजिस्ट्रेट उक्त व्यक्ति को संस्थागत पृथक-वास केंद्र में भेज देंगे। इसमें कहा गया कि डीडीएमए के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपदा प्रबंधन कानून तथा अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। कुंभ मेले में 10 से 14 अप्रैल के बीच कुल 1,701 लोग कोरोना वायरस से पीड़ित पाए गए हैं।

कोरोना के विरुद्ध लड़ने टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की रणनीति अपनानी होगी: पीएम मोदी

» प्रधानमंत्री ने वाराणसी में कोविड स्थिति की समीक्षा की

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जनपद वाराणसी में कोविड-19 की स्थिति पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा कोरोना से बचाव तथा कोरोना संक्रमित मरीजों के समुचित उपचार हेतु टेस्टिंग, बेड, दवाइयाँ, वैक्सीन, तथा मैन पावर आदि की जानकारी ली गई। उन्होंने जनता को हर संभव सहायता त्वरित रूप से उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि ''दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी'' का पालन सभी लोगों द्वारा किया जाये। प्रधानमंत्री ने वैक्सीनेशन अभियान के महत्त्व पर बल देते हुए कहा की प्रशासन 45 साल से ज्यादा की उम्र के सभी लोगों को इस हेतु जागरूक करें। उन्होंने प्रशासन को भी पूरी संवेदनशीलता से वाराणसी के लोगों की संभव सहायता करने के लिए कहा।

प्रधानमंत्री ने देश के सभी डॉक्टरों, सभी मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा की इस संकट की घडी में भी वह अपने कर्त्तव्य का निष्ठापूर्ण पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें पिछले साल के अनुभवों से सीखते हुए सतर्क रहकर आगे बढ़ना है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वाराणसी के प्रतिनिधि के रूप में वह आम जनता से भी निरंतर फीडबैक ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी में पिछले 5-6 वर्षों में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और आधुनिकीकरण से कोरोना से लड़ने में सहायता मिली है। इसके साथ वाराणसी में बेड्स, आईसीयू और ऑक्सिजन की उपलब्धता को बढ़ाया जा रहा है। मरीजों की बढ़ी हुई संख्या से उत्पन्न दबाव को देखते हुए हर स्तर पर प्रयास बढाने की जरुरत पर भी प्रधनमंत्री ने विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह वाराणसी प्रशासन ने तेजी के साथ 'काशी कोविड रिस्पोन्स सेन्टर' स्थापित किया है, वैसी ही तेजी हर कार्य में लायी जानी चाहिए। उन्होंने 'टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट' पर जोर देते हुए कहा कि फर्स्ट-वेव की तरह भी वायरस से जीतने के लिए यही रणनीति अपनानी होगी।

उन्होंने संक्रमित व्यक्तियों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और टेस्ट रिपोर्ट को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने पर भी बल दिया। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों और उनके परिवार के प्रति भी सभी जिम्मेदारियों के संवेदनशील तरीके से निर्वहन का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी स्वयंसेवी संगठनों की प्रशंसा की करते हुए कहा उन्होंने जिस प्रकार सरकार के साथ कदम मिलकर कार्य किया है उसे और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने पुनः स्थिति को देखते हुए अधिकाधिक सतर्कता और सावधानी बरतने पर बल दिया।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को कोविड से बचाव तथा ईलाज हेतु क्षेत्र में की गयी तैयारियों की सूचना दी। इस सम्बन्ध में प्रधानमंत्री को कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग हेतु स्थापित कण्ट्रोल रूम, होम आइसोलेशन के लिए बनाये गए कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर, डेडीकेटेड फोन लाईन एम्बुलेंस, कण्ट्रोल रूम से टेलीमेडिसीन की व्यवस्था, शहरी क्षेत्र में अतिरिक्त रैपिड रिस्पान्स टीम की तैनाती आदि विषयों पर जानकारी दी गयी7 प्रधानमंत्री को सूचित किया गया कि कोविड से बचाव के लिए अभी तक 198383 व्यक्तियों को प्रथम व 35014 व्यक्तियों को वैक्सीनेशन की दोनों डोज लग चुकी है।

कोरोना के बीच जेईई मेंस प्रवेश परीक्षा स्थगित

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा अप्रैल में होने वाली जेईई मेंस की परीक्षा टाली दी गई। इस बात की जानकारी खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने एक ट्वीट के जरिए दी है। यह परीक्षा 27, 28 और 30 अप्रैल के लिए निर्धारित किया गया था। बता दें कि इस साल परीक्षा 4 बार आयोजित की जानी है जिसमें पहले 2 सेशन की परीक्षा पूरी हो चुकी है और उनके रिजल्ट भी आ चुके हैं।

उन्होंने ट्वीट में लिखा कि कोरोना की स्थिति को देखते हुए मैंने जेईई मेन 2021 (अप्रैल) परीक्षा को स्थगित करने का फैसला लिया है। छात्रों की सुरक्षा और उनका करियर हमारी पहली प्राथमिकता है।

आपको बता दें कि जेईई मेन 2021 परीक्षा को 27, 28 और 30 अप्रैल को आयोजित किया जाना था। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होने वाली थी। निशंक ने ट्वीट में आगे लिखा कि जेईई मेन परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान एग्जाम होने से कम से कम 15 दिन पहले किया जाएगा।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जेईई मेन एग्जाम को चार सेशन में आयोजित कर रही है। दो सेशन एजेंसी की ओर से पूरे किए जा चुके हैं। पहला सेशन 23-26 फरवरी 2021 के बीच आयोजित किया गया था। जबकि दूसरा सेशन 16-18 मार्च 2021 तक आयोजित किया गया था। पहले सेशन में कुल 620978 और दूसरे सेशन में 556248 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे।

देश में कोविड के 2 लाख 61 हजार से अधिक नए मामलों की पुष्टि हुई, 1501 की मौत

» टीकाकरण का आंकड़ा 12 करोड़ के पार

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत के नए मामलों में प्रतिदिन वृद्धि दर्ज की जा रही है, पिछले 24 घंटों में 2,61,500 नए मामले दर्ज किए गए हैं।

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, गुजरात, तमिलनाडु और राजस्थान सहित दस राज्यों में नए मामलों का 78.56 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक दैनिक नए मामले 67,123 दर्ज किए गए हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 27,334 और दिल्ली में 24,375 नए मामले सामने आए हैं। पिछले एक महीने में राष्ट्रीय साप्ताहिक पुष्टि दर 3.05 प्रतिशत से बढ़कर 13.54 बढ़कर हो गई है। अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में 30.38 प्रतिशत उच्चतम साप्ताहिक पुष्टि दर दर्ज की गई।

भारत में कुल सक्रिय मामलो की संख्या 18,01,316 तक पहुंच गयी है। यह अब देश के कुल पुष्टि वाले मामलों का 12.18 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कुल सक्रिय मामलों में 1,21,576 मामले दर्ज किए गए हैं। पांच राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल से भारत के कुल सक्रिय मामलों का 65.02 प्रतिशत है। देश के कुल सक्रिय मामलों में अकेले महाराष्ट्र का योगदान 38.09 प्रतिशत है।

भारत में कुल स्वस्थ होने वाले मामले आज 1,28,09,643 है। राष्ट्रीय रिकवरी दर 86.62 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 1,38,423 रिकवरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में 1,501 मृत्यु दर्ज हुई हैं।

दस राज्यों में नई मृत्यु का प्रतिशत 82.94 है। महाराष्ट्र में अधिकतम मृत्यु (419) दर्ज की गई जबकि दिल्ली में दैनिक 167 मृत्यु दर्ज की गई हैं।

पिछले 24 घंटों में नौ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से किसी की भी कोविड-19 के कारण मृत्यु की सूचना नहीं है। इन राज्यों में दमन एवं दीव और दादर एवं नागर हवेली, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, लक्षद्वीप, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश हैं।

देश के अस्पतालों में लगाए जाएंगे 162 ऑक्सीजन प्लांट

» केंद्र सरकार ने किया ऐलान

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोनावायर का प्रकोप तेजी से फैल रहा है और अस्पतालों में संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते ऑक्सीजन की कमी को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही हैं. इस बीच भारत सरकार ने रविवार को बताया है कि सभी राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में 162 पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसरप्शन) ऑक्सीजन प्लांट लगाने की स्वीकृत दी है. इससे 154.19 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन क्षमता में वृद्धि होगी.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, 'स्वीकृत किए गए 162 पीएसए प्लांटों में से 33 पहले ही स्थापित हो चुके हैं. इनमें 5 मध्य प्रदेश में, 4 हिमाचल प्रदेश में, चंडीगढ़, गुजरात और उत्तराखंड में तीन-तीन, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना में दो-दो, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, पुदुचेरी, पंजाब और उत्तर प्रदेश में एक-एक स्थापित किए गए हैं.

मोदी ने शुक्रवार को दे चिकित्सा ग्रेड की ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की विस्तार से समीक्षा की थी और इसके उत्पादन में तेजी लाने का अपील की थी. देश के कई हिस्सों में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और इसके मद्देनजर ऑक्सीजन की मांग भी बढ़ रही है. गंभीर रूप से पीड़ित कोरोना मरीजों को सांस लेने में तकलीफ होती है और उन्हें ऑक्सीजन की सख्त जरूरत होती है.

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था की पीएम मोदी ने देश में चिकित्सा ग्रेड की ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की विस्तार से समीक्षा की थी. प्रधानमंत्री ने हर संयंत्र की क्षमता के अनुसार ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दिया. सिलिंडरों में ऑक्सीजन भरने वाले संयंत्रों को भी सभी सावधानियों का ध्यान रखते हुए चौबीसों घंटे काम करने की अनुमति दी गई. इतना ही नहीं, सरकार ने औद्योगिक इस्तेमाल में आने वाले सिलिंडरों के चिकित्सकीय ऑक्सीजन के लिए इस्तेमाल की अनुमति दी है.

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 2,61,500 नए मामले सामने सामने आए हैं. इसी के साथ कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 1,47,88,109 पर पहुंच गए. भारत में इस समय उपचाराधीन मामले 18 लाख के पार हो गए हैं. वहीं, 1,501 और संक्रमितों की मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,77,150 पर पहुंच गई. संक्रमण के मामलों में लगातार 39वें दिन वृद्धि हुई है. देश में संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर गिरकर 86.62 प्रतिशत रह गई है. इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,28,09,643 हो गई है और मृत्यु दर गिरकर 1.20 प्रतिशत हो गई है.

राज्यों की मांग पर देशभर में तीन लाख आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध कराए जाएंगे

नईदिल्ली (आरएनएस)। राज्यों की मांग पर रेल विभाग देशभर में तीन लाख कोविड पृथकवास बिस्तर उपलब्ध करा सकता है। रेलमंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट में कहा है कि दिल्ली में शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन पर 800 बिस्तरों के साथ 50 कोविड कोच और आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर 25 कोच उपलब्ध हैं।

इससे पहले उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने कहा कि उत्तर रेलवे ने अपने पूरे तंत्र में चार सौ 63 कोविड आइसोलेशन कोच बनाए हैं। ये कोच राज्यों को मांग पर उपलब्ध करा दिये जाएंगें। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने संवाददाताओं को बताया कि रेल विभाग ने उन राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है जहां कोविड कोच लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कोच कोविड प्रभावित लोगों के पृथकवास या मामूली संक्रमण पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं उन्होंने कहा कि इनका इस्तेमाल गंभीर संकट में नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कोच में दो ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए हैं। अगर इससे ज्यादा की आवश्यकता होती है तो राज्य सरकार इसका प्रबंध कर सकती है। उन्होंने बताया कि रेल विभाग इन कोचों के लिए राज्य सरकारों से कोई शुल्क नहीं लेगा।

एलएमओ और ऑक्सीजन सिलेंडर की ढुलाई के लिए रेलवे पूरी तरह तैयार

नईदिल्ली (आरएनएस)। रेलवे सभी मुख्य कॉरिडोर पर तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) और ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कोविड संक्रमण में कुछ स्वास्थ्य स्थितियों के उपचार में ऑक्सीजन की उपलब्धता एक मुख्य अंग है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों ने रेलवे द्वारा तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) टैंकर ले जाने की संभावनाएं तलाशने के लिए रेल मंत्रालय से संपर्क किया था।

रेलवे ने तत्काल तकनीकीस्तर पर एलएमओ की ढुलाई की संभावना का पता लगाया। एलएमओ फ्लैट वैगनों पर रोड टैंकरों के साथ रोल ऑन रोल ऑफ (रो रो) सेवा के माध्यम से पहुंचाए जाने हैं। रोड ओवर ब्रिज्स (आरओबी) की ऊंचाई की सीमाओं और चुनिंदा स्थानों पर ओवर हेड इक्विपमेंट (ओएचई) के कारण विभिन्न विशेषताओं वाले रोड टैंकरों में से 3320 मिमी ऊंचाई वाले रोड टैंकर के मॉडल टी 1618 को 1290 मिमी ऊंचाई वाले फ्लैट वैगनों (डीबीकेएम) पर रखे जाने के लिए व्यवहार्य पाया गया था। परिवहन के मानकों का परीक्षण सुनिश्चित करने के क्रम में विभिन्न स्थानों पर परीक्षण कराए गए थे।

यह डीबीकेएम वैगन 15 अप्रैल 2021 को मुंबई में कलंबोली गुड्स शेड में खड़ा था और यहां पर एलएमओ से भरा एक टी 1618 टैंकर भी लाया गया था। उद्योग और रेलवे के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से इसका लेखा-जोखा लिया गया। इस माप के आधार पर, रूट के लिए स्वीकृतियां ली गई थीं और पाया गया कि ओवरहेड मंजूरियों के आधार पर कुछ खंडों पर गति की सीमाओं के साथ ओडीसी (ओवर

डायमेंशनल कन्साइनमेंट) और रो रो के रूप में आपूर्ति करना संभव होगा। क्रायोजेनिक टैंकरों में एलएमओ की रो रो संचालन के लिए वाणिज्यिक बुकिंग और भाड़े का भुगतान सुनिश्चित करने के क्रम में, रेलवे ने इस मसले पर हर जरूरी विवरण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए 16 अप्रैल 2021 को एक परिपत्र जारी किया था। 'तरल मेडिकल ऑक्सीजन की ढुलाई से संबंधितमुद्दों' के विषय पर 17 अप्रैल 2021 को रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और राज्य परिवहन आयुक्तों की उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक हुई थी।

उसमें यह फैसला लिया गया था कि टैंकर की व्यवस्था परिवहन आयुक्त, महाराष्ट्र द्वारा की जाएगी। ये खाली टैंकर कलंबोली/ बोइसर, मुंबई और आसपास के रेलवे स्टेशनों से भेजे जाएंगे तथा तरल मेडिकल ऑक्सीजन के लदान के लिए उन्हें विजाग और जमशेदपुर/राउरकेला/बोकारो भेजा जाएगा।

उक्त फैसले के पालन के लिए, रेलवे मंडलों को तत्परता से ट्रेलर्स प्राप्त करने और फिर लदान सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विजाग, अंगुल और भिलाई में रैम्पों का निर्माण किया गया है तथा कलंबोली में मौजूदा रैम्प को मजबूत किया गया है। कलंबोली रैम्प 19 अप्रैल 2021 तक तैयार हो जाएगी। अन्य स्थानों पर भी टैंकरों के पहुंचने तक दो दिन के भीतर वहां रैम्प तैयार हो जाएंगे।

18 अप्रैल 2021 को बोईसर (पश्चिम रेलवे) में एक परीक्षण किया गया था, जहां एक भरे हुए टैंकर को एक फ्लैट डीबीकेएम पर रखा गया और सभी जरूरी माप की गई थी।

रेलवे ने विभिन्न स्थानों पर टैंकरों की रवानगी की संभावनाओं को देखते हुए पहले ही कलंबोली और अन्य स्थानों पर डीबीकेएम वैगन पहुंचा दिए हैं। रेलवे टैंकर भेजने के लिए महाराष्ट्र से परामर्श का इंतजार कर रही है।

अनुमानित रूप से 19 अप्रैल 2021 को 10 खाली टैंकर भेजने के लिए एक परिवहन योजना तैयार कर ली गई है।

महाराष्ट्र के परिवहन सचिव ने 19अप्रैल2021 तक टैंकर उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।